वर्षः– 05
अंकः– 318
मुरादाबाद
(Saturday)
14 March 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बात, कहा– भारतीयों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

पश्चिम एशिया संकट लगातार गहराता जा रहा है। ईरान पर इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुए वार–पलटवार का असर पूरी दुनिया पर दिखने लगा है। ऊर्जा आपूर्ति में पैदा हुई बाधा की वजह से दुनिया के कई देशों की समस्याएं बढ़ गई हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार देर रात ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से की पश्चिम एशिया संकट पर बातचीत की। ईरानी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में पीएम नरेंद्र मोदी ने बढ़ते तनाव, नागरिकों की जानमाल की हानि और नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की।पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ फोन पर हुई बातचीत में शांति और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके साथ ही पीएम ने पश्चिम एशिया संकट को हल करने के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर दिया।%भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के साथ जरूरी चीजों और ऊर्जा की आपूर्ति भी प्राथमिकता% – प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, जरूरी चीजों और ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीएम ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत में क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा करते हुए बढ़ते तनाव और नागरिकों के नुकसान को लेकर चिंता जताई। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद गहराया संकट – प्रधानमंत्री ने इस संकट को खत्म करने के लिए संवाद और कूटनीति के महत्व पर भी जोर दिया। इसके साथ ही शांति और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। पिछले दस दिनों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया के कई देशों के नेताओं से भी बातचीत की है। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की ओर से किए गए संयुक्त हमले के बाद से पश्चिम एशिया में संकट गहरा रहे संकट के बीच ये बातचीत हुई है। गौरतलब है कि इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने ड्रोन और मिसाइल हमले करते हुए इस्राइल और खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इन हमलों का असर दुबई और दोहा जैसे वैश्विक व्यापार और विमानन केंद्रों के आसपास भी देखा गया है। पीएम मोदी खाड़ी देशों के साथ लगातार कर रहे संपर्क– प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले ओमान, कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, यूएई, जॉर्डन, इस्राइल और कतर के नेताओं से भी बात की थी। पीएम मोदी ने उनके देशों पर हुए हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कुछ देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की भी निंदा की।इसके अलावा प्रधानमंत्री ने इन देशों में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के मुद्दे पर भी चर्चा की। खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते हैं। वहीं करीब 10 हजार भारतीय ईरान में रहते, पढ़ते और काम करते हैं, जबकि 40 हजार से अधिक भारतीय इस्राइल में निवास करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया संकट के बीच चौथी बार हुई जयशंकर–अराघची की बातचीत, होर्मुज से मिल रही अच्छी खबर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बात की। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद यह दोनों नेताओं की चौथी बातचीत थी। जयशंकर और अराघची के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बीती रात फोन पर बातचीत हुई। बीती 28 फरवरी को जब अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, उसके बाद भी जयशंकर ने अराघची से बात की थी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच बीती 5 मार्च और फिर 10 मार्च को भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। बीते करीब 15 दिनों में दोनों के बीच गुरुवार रात को चौथी बार बात हुई है।

CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव: लोकसभा में पेश हुआ ‘ट्रांसजेंडर अधिकार संशोधन विधेयक, 2026

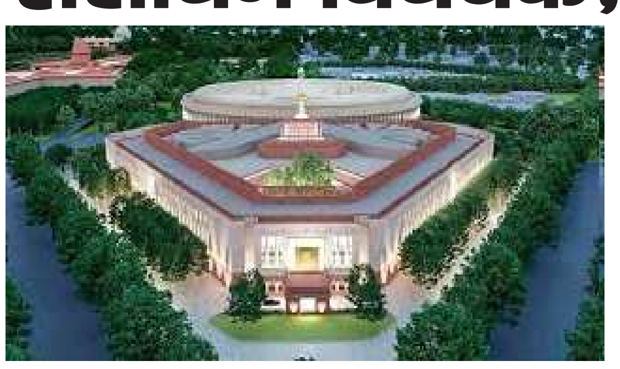

बजट सत्र के दूसरे चरण के पांचवे दिन विपक्ष सरकार को दोतरफा घेरने की योजना बना रहा है। एक तरफ विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस सौपने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर बढ़ती गैस कीमतों को लेकर भी हंगामा करने की संभावना है।लोकसभा में ‘ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों की सुरक्षा) संशोधन विधेयक, 2026’ पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा और उनकी जीवन गुणवत्ता सुधारना बताया गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम समावेशी और समान अधिकारों वाले समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। विधेयक के जरिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े अधिकारों को और मजबूत करने की कोशिश की जा रही है।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि संपूर्ण संसद में जो वचन दिया गया था, वह दूसरी अतिरिक्त अनुदान मांगों 2025–26 पर बहस के दौरान भी लागू रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस वित्तीय वर्ष में होने वाला खर्च बजट 2026–27 में निर्धारित राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) के लक्ष्य के भीतर ही रहेगा।जबरदस्त शोरगुल के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बोलना शुरू किया।संसद के बजट सत्र के दौरान निलंबित किए गए विपक्षी सांसदों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच विवाद जारी है। विपक्षी दलों ने सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सात कांग्रेस सांसदों और एक CPI(M) सांसद का निलंबन वापस लेने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले, डीएमके की कनिमोझी और टीएमसी की शताब्दी रॉय ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात कर निलंबन खत्म करने की मांग की। सूत्रों के मुताबिक रिजिजू ने विपक्षी नेताओं को भरोसा दिलाया कि वे इस मुद्दे को लोकसभा अध्यक्ष के सामने उठाएंगे। शुक्रवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (ब्रूष्ट) की बैठक में भी कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने यह मामला दोबारा उठाया। रिजिजू ने कहा कि वह इस विषय पर चर्चा कर जल्द जवाब देंगे। बताया जा रहा है कि फिलहाल निलंबित सांसदों का मुद्दा ही सरकार और विपक्ष के बीच सबसे बड़ा मतभेद बना हुआ है। वहीं सरकार पश्चिम एशिया के संकट और भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर रूल 193 के तहत चर्चा के लिए भी सहमत हो सकती है।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार विपक्ष की तरफ से ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस लोकसभा और राज्यसभा दोनों में जमा कर दी गई है। अब संसद के नियमों के तहत इस प्रस्ताव पर आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। अगर प्रस्ताव स्वीकार होता है तो सदन में इस पर चर्चा और आगे की कार्रवाई की जा सकती है।कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एलपीजी की कमी की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मंत्री के बयान के अनुसार पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की सप्लाई पर्याप्त है। लेकिन ऐसा लगता है कि एलपीजी की उपलब्धता में कुछ कमी है। उन्होंने कहा कि खासकर ग्रामीण इलाकों में लोग अब लकड़ी और कोयले की जगह गैस सिलेंडर का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसे में अगर सिलेंडर आसानी से नहीं मिलते, तो यह लोगों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। थरूर ने कहा कि देश को एकजुट होकर इस समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो।इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के सांसदों के हलचल और नारेबाजी के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आपके (विपक्ष के सांसदों) इस व्यवहार के कारण जनता आपसे नाराज है और आप सत्ता में नहीं आ सकते। बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि कांग्रेस में अब कोई ऐसा नहीं बचा जो अपने नेता (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी) को समझा सके। उनके साथ सभी कांग्रेस नेता भी बिगड़ गए हैं। अभी समय है, अपने तरीके सुधार लीजिए, नहीं तो जनता आपको सजा देगी।

UNSC में ईरान के खिलाफ भारत के रुख पर विपक्ष का हमला, चिदंबरम बोले– भारत की विदेश नीति एकतरफा

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने केंद्र सरकार की विदेश नीति को एकतरफा बताते हुए उसकी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में ईरान के खिलाफ प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन अमेरिका और इस्राइल के हमलों पर चुप्पी साधे रखी।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ईरान के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को समर्थन करने के लिए सरकार की आलोचना की है। चिदंबरम ने भारत की मौजूदा विदेश नीति को एकतरफा करार दिया है।चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत की विदेश नीति अब निष्पक्ष नहीं रही। उन्होंने आरोप लगाया कि नई दिल्ली अब पूरी तरह अमेरिका और इस्राइल के पक्ष में खड़ी दिख रही है। चिदंबरम के अनुसार, भारत ने ईरान के हमलों की निंदा करने वाले प्रस्ताव को पेश करने में मदद की, लेकिन अमेरिका और इस्राइल के उन हमलों पर एक शब्द नहीं कहा जिनमें 1300 ईरानी लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि इन हमलों में 168 बच्चों की भी जान गई है। चिदंबरम ने सवाल उठाया कि क्या यही सही कूटनीति और निष्पक्ष विदेश नीति है? उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट नहीं दिया, जबकि भारत ने अमेरिका और 12 अन्य देशों का साथ दिया।सुरक्षा परिषद में क्या हुआ? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव 2817 (2026) पास किया है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 13 वोट पड़े, जबकि चीन और रूस ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। इस प्रस्ताव में ईरान के उन हमलों की कड़ी निंदा की गई है जो उसने अपने पड़ोसी देशों पर किए। अमेरिका ने कहा कि ईरान हर दिशा में हमले कर रहा है। भारत सहित करीब 140 देशों ने इस टेक्स्ट को समर्थन किया।प्रस्ताव में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन पर हुए हमलों को गलत बताया गया। इसमें ईरान से मांग की गई कि वह रिहायशी इलाकों पर हमले तुरंत रोके। साथ ही, समुद्री व्यापार में दखल देना और उकसावे वाली कार्रवाई बंद करे। बहरीन ने इस अंतरराष्ट्रीय फैसले का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बात– इन सबके बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने गुरुवार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने खाड़ी क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालातों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बढ़ता तनाव और आम लोगों की मौत बहुत दुखद है। पीएम मोदी ने रिहायशी इलाकों और बुनियादी ढांचे को पहुंच रहे नुकसान पर भी दुख जताया। प्रधानमंत्री ने बातचीत में साफ किया कि भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार और ऊर्जा की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की।

कैसे शुरू हुआ विवाद?– पश्चिम एशिया में यह ताजा संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था। तब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और इस्राइल के ठिकानों पर हमले किए। पिछले 14 दिनों से यह तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा– सपा–कांग्रेस में मुझे इस्तेमाल करने की चतुरता नहीं, भाजपा दे मेरा साथ

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बातचीत में कांग्रेस और सपा के साथ बन रहे उनके समीकरणों पर टिप्पणी की।शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि सपा, कांग्रेस या कोई भी राजनीतिक दल इतना चतुर नहीं है कि मुझे चुनाव में इस्तेमाल कर सके। हम किसी पार्टी के लिए नहीं, बल्कि गंगा और गोरक्षा जैसे मुद्दों के लिए काम कर रहे हैं, जो पहले से भाजपा के भी प्रमुख विषय रहे हैं। चाहे तो भाजपा भी मेरे समर्थन में आ सकती है। चुनाव में किसी की चालाकी से मेरा इस्तेमाल हो जाना संभव नहीं है।` उन्होंने बृहस्पतिवार को खास बातचीत में कहीं।शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती लखनऊ के हासेमऊ स्थित गोशाला में बृहस्पतिवार को गो पूजन कर गोरक्षा के लिए धर्मयुद्ध का ऐलान किया। इसी के साथ उन्होंने गो प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान की शुरुआत करते हुए चतुरंगिणी सेना बनाने की घोषणा की। शंकराचार्य ने ऋग्वेद के पद अहम् हनन् वृत्ते गविष्ठे का अनुयायियों से सामूहिक जाप कराया। तर्जनी उंगली उठाकर भगवान कृष्ण की चक्र मुद्रा का अभ्यास भी कराया।उन्होंने कहा कि यह धर्मयुद्ध गाय की रक्षा के लिए है। गाय को कष्ट देने वाले वृत्रासुर हमारे निशाने पर होंगे। जो लोग गाय को कष्ट पहुंचाते हैं, वे वृत्रासुर हैं। उनके अनुसार कसाईखाना चलाने वाले, गायों को वहां ले जाने वाले, सहयोग करने वाले और इसे होते देखकर भी मौन रहने वाले सभी वृत्रासुर की श्रेणी में आते हैं। उन्होंने प्रदेश की सरकारी गोशालाओं में गायों की दयनीय स्थिति पर चिंता जताई।चतुरंगिणी का बताया निहितार्थ = चतुरंगिणी सेना के नाम का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि चतुरंगिणी का मतलब है– ऐसी शक्ति जिसके चार प्रमुख आधार हों। बुद्धि का बल, बाहुबल, धनबल व समर्पित सहयोगियों का बल शामिल है। साथ ही चारों वेदों की प्रेरणा, चार प्रमुख संप्रदायों का सहयोग व चार पीठों का समर्थन भी इसकी शक्ति का हिस्सा होगा। इस सेना में साधु, वैरागी और आम लोग होंगे। अखिलेश यादव ने की मुलाकात – समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। कृष्णा नगर क्षेत्र में प्रवास कर रहे शंकराचार्य से उनकी करीब एक घंटे तक चर्चा हुई। इस दौरान अखिलेश जमीन पर बैठकर उनसे बातचीत करते नजर आए। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि शंकराचार्य से मिलने आया था। अब उनके आशीर्वाद से नकली संतों का अंत होगा। अब वे लोग भी बेनकाब होंगे जो धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह करते हैं। नए कार्य की शुरुआत से पहले संत–महात्माओं का आशीर्वाद लेना हमारी परंपरा रही है। सपा हमेशा से गो संरक्षण के पक्ष में रही है। गाय के दूध का पहला प्लांट सपा सरकार के समय कन्नौज में लगाया गया था। घरेलू गैस की किल्लत पर उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार के गलत फैसले का नतीजा है कि आज लोगों को लकड़ी पर खाना पकाना पड़ रहा है। इस संकट के लिए पूरी तरह से केंद्र सरकार जिम्मेदार है।

संपादकीय Editorial

The Iran War Reaches the 'Stove'

The Union Cabinet spent 11 days assessing whether the Iran war would impact our kitchens and stoves. Ultimately, in a cabinet meeting, Prime Minister Modi had to issue directives that all ministries should work together to prepare for potential challenges. The impact of the war on the country's citizens should be minimized. The Prime Minister acknowledged the "challenge" and used the word "should" to exhort. Why can't the Prime Minister himself coordinate at the ministerial level? Since he is the supreme, constitutional executive head of the country, he should address the nation and state the reality. The Prime Minister has addressed the nation several times during demonetization, the COVID-19 pandemic, and Operation Sindoor. The countrymen have also given him unwavering support and cooperation. However, India consumes an average of 195 million cubic meters of gas daily, while domestic gas production is only around 100 million cubic meters. Naturally, India has to import gas. In addition to cooking gas (LPG), LNG, PNG, and CNG are also essential for the functioning of our lives. Without them, life, society, and business would grind to a halt. PNG reaches our homes through pipelines, with 16.2 million connections. LPG has over 330 million consumers. CNG is used in vehicles. LNG is a lifeline for everything from fertilizer plants to industrial production and manufacturing units. Prime Minister Modi, in his address to the nation, may reveal the basis on which India signed the 2.2 million ton gas deal with the United States. Furthermore, what is the status of adequate gas supplies from countries like Australia, Canada, Norway, West Africa, Nigeria, Angola, and Algeria? These small, tiny countries are supplying gas to a vast nation like India, yet why hasn't 78-year-old India been able to produce enough gas for itself? This is a truly puzzling question. What is the secrecy behind sharing gas information with the country? What is the diplomatic strategy? Who will torpedo your oil and gas supply? This is a sensitive issue concerning the lives and kitchens of ordinary Indians. Why wouldn't the Prime Minister disclose the situation to the people, the opposition, and the media during a disaster or crisis? Our food security is directly linked to the energy crisis. Sure, the central government has notified and implemented the Essential Commodities Act, 1955, but the common man is forced to take to the streets. People have started queuing for gas cylinders, just as they did for oxygen cylinders during the COVID-19 pandemic. That crisis was also fake, fueled by fear and rumors.

The current crisis concerns the common kitchen: whether the gas stove will be lit in the evening, whether home-cooked meals will be cooked. This crisis is particularly concerning for the class whose lives are spent struggling, whose resources are extremely limited, and who gave Narendra Modi a mandate to become Prime Minister for the third time. Can't the Prime Minister address those people as well? In the midst of this crisis, US President Trump has stated that the war is almost over. This means that the US is seeking a safe way out and an end to the war, but Israel and Iran are currently not thinking so. Clearly, the oil and gas crisis will persist and may even escalate. Petrol and diesel prices have risen in nearly 60 countries. However, Russia remains a shining hope for us. It is the largest exporter of gas and the second-largest producer of crude oil. The US has lifted oil and gas sanctions against Russia. Russia has also begun supplying us with crude oil and gas. Approximately 9.5 million barrels of oil are located off the Indian coast.

Why are investors afraid of AI? IT investors' confidence is wavering

The IT sector is facing uncertainty due to AI. As a result, investors in the capital markets are becoming increasingly disillusioned with IT companies. There is a growing suspicion that investors in the capital markets are becoming disillusioned with IT companies and are rapidly withdrawing their investments. This is confirmed by the massive sell-off in the stock markets of major IT companies last February. As a result, for the first time since the global recession of 2006, the IT company index on the Indian capital markets, BSE and NSE, fell by approximately 20.9%. Furthermore, in the current financial year, since April 1, 2025, the IT index has fallen by approximately 16%. The growing popularity of Artificial Intelligence (AI) is a major reason for investor disillusionment. Last month, the AI ??company Anthropic's new tool, "Cloud Code," caused Indian company shares to fall by seven percent in just one day. In this downturn, four of India's largest IT companies lost over ?9 lakh crore in the Indian capital markets. Surprisingly, Anthropic is not listed on any stock exchange. It's also important to understand that the market cap of India's top 10 IT companies is US$328 billion, while Anthropic alone is US$350 billion. Will AI reduce the profits of Indian IT companies? Investors' concerns are not misplaced, as Indian IT companies are currently primarily in the service sector. For over twenty years, service companies have been performing various technology-related tasks for the US and Europe at low costs. These tasks are performed by large numbers of employees. In return, companies receive dollar payments based on the employees' working hours. A portion of this income is given to employees as salaries. Now, it is becoming common knowledge that the use of AI will lead to the replacement of technical tasks, especially coding, by machines. This will reduce employee expenses, potentially resulting in a decline in company profits. According to a recent report, app development currently accounts for 25 percent of Indian IT companies' service revenue, 30 percent for maintenance, 10 percent for BPO, and 35 percent for all other revenue. It is being speculated that in the future, AI will replace manual labor in app development and maintenance, accounting for 60 percent and 35 percent, respectively. AI will account for 40 percent of BPO revenue, resulting in a reduction of approximately eight to ten percent in companies' overall profits. However, this impact will not be felt by companies that develop technology-related products rather than services. One reason investors are apprehensive is that any improvements to AI curriculum in IT education may not immediately benefit companies, as the courses will only make the Indian market available to young engineers in the next four years. Several studies also indicate that in the future, employment opportunities for freshers in the IT sector will be significantly reduced, as their work will be handled by machines. Currently, the Indian IT sector contributes over seven percent to GDP and provides a significant number of jobs. However, investors are realizing that the boom in the IT sector, which began with the Y2K crisis in the Indian capital market in 2000, is now facing uncertainty due to AI. This has led to investors selling off the stock market. Furthermore, the US central bank recently raised interest rates, leading to increased financing costs. India's major IT companies have a market share of around 50 to 60 percent with the US. This has also led to pressure on IT companies' profits. Another aspect is that companies like Open AI, ChatGPT, and Grok have only become popular in the last 5-6 years and are themselves surprised by the rapid growth of their customer base. But the question of why IT companies failed to accurately assess this forecast remains a constant concern among investors, and as a result, they are now exercising caution toward IT companies. There are also rumblings that gig labor, which has become increasingly prevalent within the e-commerce sector, may come under pressure due to the increasing prevalence of AI, and that home delivery may become mechanized rather than manual labor in the future.

Courage, Faith, and Success: Don't Fear What People Will Think of You

When fear takes hold of the mind, judgment weakens, and when hatred fills the mind, direction is lost. Therefore, keep your focus on the things you want to achieve in life. Success is in your blood. Some people are unstoppable by fate; they move forward with passion, and, following God's command, they take the best from everything in the world. Such people live life with full enthusiasm. Their nature is open and clear, so they don't fear what people will think of them. The biggest obstacles to success are fear and hatred. Fear confuses a person's intellect, and hatred destroys their guidance. When fear takes hold of the mind, judgment weakens, and when hatred fills the mind, direction is lost. Therefore, it is essential that a person keeps his focus on the great and bright things he wants to achieve in life. When the mind is fixed on a noble goal, opportunities present themselves over time that help achieve that goal. A person gradually becomes what they think. If they maintain the image of a capable, honest, and useful person in their mind, those thoughts gradually shape their personality in that direction. The right mental attitude determines the direction of life. Courage, clarity, and happiness strengthen a person from within. Many people chase after others to find friendship, but the only way to achieve true friendship is to first become a true friend. No relationship can last without self-reliance and self-confidence. When a person develops the strength within themselves to remain balanced and content even alone, that strength enables them to provide support and affection to others. Another important factor in life is maintaining the right mental state. The path of one who moves forward with hope, courage, and faith gradually becomes clear. Character is also formed by these two things: what we think and how we spend our time. When a person understands that they are an essential part of this vast universe, a new power is born within them. They resolve to make their life meaningful and move forward in that direction. And when a person connects with the forces of the universe with complete faith, new energy begins to flow within them. Once they recognize this truth, everything else becomes simple. Then, in their heart, the unshakable resolve is born that they can do something meaningful in their life and make themselves the best. -Translated excerpt from Love Life and Work Move forward with confidence - Success comes only to those who rise above fear and doubt and move forward with confidence. A person gradually becomes what they think. Therefore, keep courage, hope, and the thought of a noble goal firmly in your mind. With a positive outlook and determination, inner strength keeps you moving forward.

Where the aroma of yogurt and butter wafts from the mountains

It is said about Sankari Khor in Barsana that people can smell the aroma of yogurt and butter by rubbing their hands on the rocks. Habur is a village about 40-50 kilometers from Jaisalmer. It is said that stones called "Habur Stones" are found here. In the local language, they are also called "Haburiya Bhata" or "Swarngiri Patthar." It is said that if these stones are added to milk, the milk solidifies and turns into yogurt without the need for a starter. Here in Mathura, there is a mountain whose rocks are claimed to smell the aroma of butter and yogurt by rubbing the palms on them. Sankari Khor is a place in Barsana. It is a very narrow alley on the Brahmachal mountain, which is why it gets its name. According to religious beliefs, during the Dwapar era, the Gopis of Braj used to travel through this street carrying curd and butter. During this time, Bal Krishna, along with his friends, would ask for butter from them. Sometimes, scuffles would ensue, resulting in the curd and butter spilling onto the rocks. It is believed that even today, the aroma of butter and yogurt can be felt from the rocks at this location. People visit the site, rub their palms, and claim to have smelled the fragrance. Of the rocks on either side of this street, one side is black, the other is fair. Devotees believe that the rocks on which Lord Krishna sat turned Shyam and Radha fair. However, science disproves this. This mountain was mentioned in the 16th century, but like Mount Govardhan, it is considered very ancient. Many significant markings and carvings have been found on the rocks in and around Sankari Khor. Inscriptions from the medieval period (16th-17th centuries) are found in the Braj language and Devanagari script in the temples of Barsana and on some mountain paths. Archaeological surveys have been conducted at a site in Hathiya village, just three kilometers from Barsana. Remains of the Painted Grey Ware culture have been found here. According to archaeologists, this site may date back to approximately 1200-800 BCE or even earlier, a period that is also claimed to be the Mahabharata period. In Bahj village, near Govardhan, the Archaeological Survey of India conducted its deepest excavation to date. Remains of a civilization approximately 4,500 years old have been unearthed here. Stone tools from the Ganeshwar civilization and the Stone Age have been found, proving that this region has been a center of human civilization for millions of years.

संभल में कड़ी चौकसी: ड्रोन से की जा रही निगरानी, तीन कंपनी पीएसी तैनात, अलविदा जुमे पर मस्जिदों में भीड़

संभल में रमजान के अलविदा जुमे की नमाज शुक्रवार को अदा की जाएगी। इसे देखते हुए जामा मस्जिद समेत प्रमुख मस्जिदों के आसपास तीन कंपनी पीएसी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।रमजान माह के आखिरी जुमे नमाज को लेकर शुक्रवार को प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। समेत प्रमुख मस्जिदों के व्यापक इंतजाम किए गए अव्यवस्था से निपटने के लिए साथ भारी पुलिस बल तैनात और प्रशासन के अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। रमजान के जाने वाली अलविदा जुमे की जाएगी।उलमा के अनुसार इस जुमा भी पड़ सकता है और फितर मनाई जा सकती है। इसी को ही अलविदा जुमे के रूप किया गया है। संभल जामा मौलाना आफताब हुसैन वारसी की है। उन्होंने समुदाय से कि अलविदा जुमे की नमाज अनुशासन के साथ अदा की

यानी अलविदा जुमे की संभल में पुलिस-शहर की जामा मस्जिद आसपास सुरक्षा के हैं।किसी भी तरह की तीन कंपनी पीएसी के किया गया है। पुलिस लगातार स्थिति पर पवित्र महीने में पढ़ी नमाज अदा की बार रमजान में पांचवां उसके बाद ईद उल को देखते हुए चौथे जुमे में मनाने का एलान मस्जिद के शाही इमाम ने भी इसकी घोषणा अपील करते हुए कहा पूरी शांति और जाए। किसी भी तरह का विवाद या अव्यवस्था न हो इसका ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों पर नमाज अदा नहीं की जाएगी। सभी लोग अपनी-अपनी मस्जिदों में ही नमाज पढ़ें और यातायात व्यवस्था को प्रभावित न करें। पुलिस-प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह के प्रदर्शन, जुलूस या नारेबाजी की अनुमति नहीं दी जाएगी। विशेष रूप से ईरान के समर्थन में किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। संवेदनशीलता को देखते हुए जामा मस्जिद क्षेत्र, मुख्य बाजारों और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह को तुरंत रोका जा सके। संभल में तैनात होंगे 19 मजिस्ट्रेट, भारी फोर्स- संभल शहर अतिसंवेदनशील श्रेणी में शामिल है। शासन की ओर से भी पूरी निगरानी रहती है। इसके चलते पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट है। अलविदा जुमा की नमाज को लेकर डीएम ने संभल शहर में 19 मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। इसके अलावा पुलिस, पीएसी और आरआरएफ के जवान मुस्तैद हैं। संवेदनशील इलाके में नमाज के दौरान ड्रोन कैमरों से निगरानी होगी। संभल शहर में 19 मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इसके अलावा जिलेभर में सभी थानों पर एक-एक मजिस्ट्रेट की तैनाती है। पीस कमेटी की बैठक में शांतिपूर्ण तरीके से नमाज अदा करने और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील है। किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। -डीएम, संभल- एहतियाती तौर पर चौकसी शहर में बरती जा रही है। शांतिपूर्ण तरीके से लोग जुमा अलविदा की नमाज अदा करें। सड़कों पर नमाज अदा न करें। शासन की जो गाइडलाइन है उसका सभी को पालन करना है। सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए टीम सक्रिय है। किसी ने माहौल बिगाड़ने के प्रयास में पोस्ट या वीडियो शेयर की तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। -कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी

एक करोड़ 41 लाख की लागत से बनाए जा रहे उत्सव भवन

मंडल के पांचों जिलों में बनेंगे पंचायत उत्सव भवन,रामपुर में कार्य शुरू

मुरादाबाद । ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन ने मंडल के पांचों जिलों में पंचायत उत्सव भवन निर्माण करा रही है। इसके तहत चयनित ग्राम पंचायतों में उत्सव भवन बनाने के लिए निर्धारित धनराशि का 50 पंचायत में करीब 1 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से उत्सव भवन पंचायत स्तर पर ग्रामीणों के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक पंचायत में बनेगा। जिसमें मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे ब्लॉक के अमरोहा जिले के तिगरी ग्राम पंचायत में 20 मार्च को, बिजनौर जिले में ग्राम पंचायत फतेहपुर शरीफ नगर में 13 मार्च को टेंडर प्रक्रिया पंचायत उत्सव भवन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। कार्यदायी जमा करना होगा। टेंडर प्रक्रिया के बाद कार्यकारी संस्था अपने

प्रतिशत अंश ग्राम पंचायतों के खातों में भेज दिया है। प्रत्येक चयनित ग्राम बनेगा। उपनिदेशक पंचायत राज विभाग अभय कुमार यादव ने बताया कि ग्राम गतिविधियों में उपयोग होने वाले पंचायत उत्सव भवन मंडल की 5 ग्राम लालपुर तीतरी ग्राम पंचायत में 26 मार्च को टेंडर प्रक्रिया चालू की जाएगी। के अफजलगढ़ ब्लॉक के अजीमुल्ला ग्राम पंचायत में 17 मार्च को ,संभल जिले होगी। उन्होंने बताया कि रामपुर जिले में तीन मार्च को टेंडर प्रक्रिया पूरी कर संस्था के द्वारा 5 से 10 प्रतिशत निविदा शुल्क का कार्यकारी संस्था को चेक एस्टीमेट बनाकर पंचायत उत्सव भवन के निर्माण वाली ग्राम पंचायत को दिए जाएंगे इसके बाद कार्यदायी संस्था का चयन किया जाएगा। उन्होने बताया कि शासन के निर्देश पर निर्माण कार्य को समय पर शुरू कराने के लिए पहली किस्त करीब 70 लाख रुपये पंचायतों को उपलब्ध कराए गए हैं। मंडल के रामपुर जिले में चयनित ग्राम पंचायत में उत्सव भवन के निर्माण का कार्य शुरू भी कर दिया गया है। वहीं अन्य जिलों में निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित तिथि पर टेंडर खुलने के बाद निर्माण एजेंसियों का चयन किया जाएगा और उसके बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। पर्याप्त स्थान और सुविधाएं ना होने से लोगों को होती थी असुविधा- अभी तक अधिकांश गांवों में बड़े कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पर्याप्त स्थान और सुविधाएं नहीं होती थीं, जिसके कारण लोगों को असुविधा होती थी। उत्सव भवन बनने के बाद पंचायत की बैठकों, सामुदायिक कार्यक्रमों, प्रशिक्षण शिविरों और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े आयोजन में सुविधा मिलेगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि योजना को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के लिए लगातार निगरानी की जाएगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा भी समय-समय पर की जाएगी, जिससे निर्धारित अवधि में उत्सव भवनों का निर्माण पूरा होने से ग्रामीणों को लाभ मिल सके।

पालिका बोर्ड बैठक में 2 अरब 23 करोड़ रुपये का बजट पास

रामपुर । नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए 2 अरब 23 करोड़ रुपये का बजट पास हो गया। दोपहर करीब 12ऱ10 बजे बैठक की कार्रवाई शुरू हुई और 5 मिनट के भीतर मौजूद सभासदों ने एक सुर में बजट को पास कर दिया। उठाए। सभासद दिनेश रस्तोगी उर्फ दिन्ने ने कहा कि कंट्रोल रूम जरूर बनना चाहिए ताकि लोगों की समस्याएं की कार्रवाई शुरू होने के 5 मिनट बाद ही सभासदों ने इसके बाद दिनेश रस्तोगी उर्फ दिन्ने ने कहा कि होली पर कंट्रोल रूम बनवाए। इसके अलावा सभासदों ने कहा कि बाजार के कारण जाम लगता है। बुध के दिन दुकानदार लेते हैं। जिसके कारण सर्राफा बाजार, बर्तन बाजार, पान में लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। वार्ड 30 के काम लिए जाने की बाबत कहा कि उनपर कई मामले का भुगतान किया गया तब 25 सभासद इस्तीफा दे देंगे। स्थित पार्क का नाम महाराणा प्रताप पार्क किए जाने की पर महिलाओं के लिए पिंक टायलेट बनवाए जाने की भी

इसके बाद सभासदों ने अपने वार्डों से संबंधित मुद्दे होली पर पालिका ने कंट्रोल रूम नहीं बनाया। ईद पर तुरंत निस्तारित हो जाएं। पालिका सभागार में बैठक एक सुर में कहना शुरू कर दिया कि बजट पास है। जो गलती हुई है इस बार नहीं होना चाहिए पालिका बुध बाजार कहीं और लगवाना चाहिए क्योंकि बुध बंद दुकानों के सामने सड़कों पर अपनी दुकाने सजा दरीबा, शादाब मार्केट, चाकू बाजार और सफदर गंज सभासद सुमित कुमार ने पालिका के एक क्लर्क से दर्ज हैं यदि उनकी सेवा निवृत्ति पर उनके बकाएजात वार्ड 4 के सभासद विनोद कश्यप ने ज्वालानगर मांग की। इसके अलावा आगापुर चौराहा श्रीराम चौक मांग की। पालिका में 18 चालक और दौड़ रहे 50 वाहन- पालिका में 18 चालक भर्ती हैं जबकि, हर सुबह 40 से 50 वाहन शहर से कूड़ा उठाने के लिए निकलते हैं। सभासदों ने हैरानी जताई कि पालिका के इतने वाहन कैसे चल रहे हैं। कहा कि वाहन चालकों के लाइसेंस चेक कराए जाएं। सभासद श्वेता शर्मा ने कहा कि रामपुर में लोगों ने जगह-जगह डेयरी खोल ली हैं और उससे गंदगी होती है। इसे साफ कराया जाए उन्होंने कहा कि पालिका के सभागार को भी चकाचक कराना चाहिए यहां पर्दे लगाकर काम चलाया जा रहा है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि जो गलती होली पर हुई है वह ईद पर नहीं होगी। उन्होंने बताया कि 2 अरब 23 करोड़ के बजट में कर्मचारियों का वेतन और शहर में इस पैसे से विकास कार्य कराए जाएंगे। शहर में विकास कार्य हो रहे हैं लेकिन सभी सभासदों ने बजट को पास कर दिया है अब रामपुर के विकास को और गति मिलेगी। - सना मामून, पालिकाध्यक्ष, बैठक में यह रहे मौजूद- दिनेश कुमार दिन्ने, सैयद अजहर मियां, जिया उर रहमान बाबू, मुराद कलीम, शाहवेज अंसारी, गुफरान खां, शादाब अली, अलीम खां, रफी उल्लाह खां, सदफ नाज, नूरजहां, शहाब खां, चेतना आजाद, गुड्डू खां, रोशन जहां, आसिफ खां, सरफराज खां, गुड्डू खां, शाहवेज भूरा, खलील अहमद, अशोक बाबू, निर्धारण अधिकारी अनिकेत, स्टेनो विलसन कुमार, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दिलशाद हसन,सहायक अभियंता (निर्माण) उमेश बाबू लेखाकार, रफत शेर खां, जलकल अभियंता मूलचंद पटेल, पथ प्रकाश प्रभारी अरुण कुमार, निरीक्षक संजीव कुमार, सफाई निरीक्षक अविनाश, द्वारिका नाथ, मुकेश आदि।

संक्षिप्त समाचार

धरा गया अश्लील वीडियो बनाने वाला गिरोह: पति-पत्नी मिलकर ऐसे फंसाते थे जाल में शिकार, ऐसे हुआ पर्दाफाश

गुरुवार को मुगलपुरा थाने की पुलिस कटघर के ताजपुर निवासी रिहाना, शगुफ्ता, चांदबी, भोजपुर के धर्मपुरा निवासी इलमा और इलमा के पति सुलेमान को गिरफ्तार किया है। यूपी के

मुरादाबाद स्थित मुगलपुरा थाने पुलिस ने हनी ट्रैप गिरोह का पर्दाफाश किया है। गुरुवार को पुलिस ने इस गिरोह में शामिल चार महिलाओं समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पति-पत्नी भी शामिल हैं। महिलाएं और युवती फोन के जरिए लोगों से दोस्ती करती थीं और उन्हें मिलने के बहाने अपने घर बुलाकर वीडियो बना लेती थीं। धमकी देकर करते थे वसूली- वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने और रिपोर्ट दर्ज कराने की धमकी देकर उनसे वसूली करते थे। गिरोह में शामिल अन्य सात आरोपियों की तलाश की जा रही है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मुगलपुरा क्षेत्र निवासी कबाड़ का काम करने वाले युवक ने 25 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला और उसके साथियों ने किया निर्वस्त्र- उसने बताया कि वह उसे एक महिला ने कॉल कर ताजपुर में मिलने के लिए बुलाया था। वह वहां पहुंचा तो वहां पहले से मौजूद महिला और उसके साथियों ने उसे बंधक बनाकर निर्वस्त्र कर दिया और वीडियो बनाकर उससे 85 हजार रुपये वसूल लिए और तीन लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। ये लोग हुए गिरफ्तार- गुरुवार को मुगलपुरा थाने की पुलिस कटघर के ताजपुर निवासी रिहाना, शगुफ्ता, चांदबी, भोजपुर के धर्मपुरा निवासी इलमा और इलमा के पति सुलेमान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से मोबाइल बरामद हुए हैं। पुलिस का दावा है कि कई लोगों के निर्वस्त्र वीडियो और फोटो इनके मोबाइल में मिले हैं। शाम को सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। अन्य की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

खाद्य विभाग टीम ने 77 नमूनों की जांच में 21 संदिग्ध मिले

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार खाद्य विभाग का छापामारी अभियान जारी है। बुधवार को खाद्य सचल प्रयोगशाला के माध्यम से विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) एवं अभिहित अधिकारी सुनील कुमार शर्मा के निर्देशन में संचालित किया गया। तहसील टांडा, बस अड्डा रामपुर, शाहबाद गेट, शाहबाद रोड स्थित कृष्णा मंदिर ज्वालानगर क्षेत्र में फास्ट फूड के ठेलों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों, पकौड़ी, तेल, मसाले एवं दालों के विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर खाद्य सचल प्रयोगशाला द्वारा चटनी, सॉस, मसाले, खाद्य तेल, रंगीन चावल, पकौड़ी तथा दालों सहित कुल 77 खाद्य पदार्थों की जांच की गई। जांच के माध्यम से आमजन को भी खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा खाद्य पदार्थों में रंग (कलर) की मिलावट रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जांच के दौरान 21 नमूनों में प्रथमदृष्ट्या मिलावट की आशंका पाई गई। इस दौरान संबंधित खाद्य कारोबारियों को संभावित मिलावट के तौर-तरीकों के प्रति सचेत करते हुए उन्हें खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। सचल दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामचन्द्र यादव, मनोज कुमार, अशोक कुमार, राहुल शुक्ला, शहाबुद्दीन दोस्त, देवकान्त, धर्मपाल सिंह एवं अज़रा बी मोहम्मद उपस्थित रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली में ट्रैफिक होगा डायवर्जन, दो दिन भारी वाहनों की रहेगी एंट्री बंद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस दरोगा भर्ती परीक्षा के मद्देनज़र शहर की यातायात व्यवस्था बदलाव किया गया है। होने वाली परीक्षा के अभ्यर्थियों के आने की पुलिस प्रशासन ने योजना लागू की है। यह 5 बजे से रात 8 बजे एसएसपी के निर्देश पर

में दो दिनों के लिए बड़ा शनिवार और रविवार को दौरान बड़ी संख्या में संभावना को देखते हुए विशेष ट्रैफिक डायवर्जन व्यवस्था दोनों दिन सुबह तक प्रभावी रहेगी। एसपी यातायात अकमल खान ने शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर अन्य सभी बड़े वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित रहेगी, ताकि ट्रैफिक का दबाव कम किया जा सके और परीक्षार्थी समय से अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें। पुलिस द्वारा जारी योजना के अनुसार बरेली से दिल्ली और रामपुर की ओर जाने वाले वाहनों को अब झुमका चौराहे की बजाय मिनी बाइपास से महादेव पुल, श्यामगंज पुल, विलयधाम और विलवा पुल होते हुए आगे भेजा जाएगा। वहीं दिल्ली, रामपुर और मुरादाबाद की दिशा से आने वाले भारी वाहनों को झुमका तिराहे से बड़ा बाइपास, विलवा पुल, विलयधाम और इन्वर्टिस तिराहा होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसके अलावा बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत की ओर जाने वाले वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं, ताकि शहर के मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति न बने।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का हुआ भव्य समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, बरेली की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) छात्र-छात्रा इकाई के विशेष सात दिवसीय शिविर का समापन ग्राम परातासपुर में बड़े ही धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान राधा देवी, महेंद्र, आनंद तथा महाराजा अग्रसेन शिक्षण समिति (रजि.) बरेली के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित) और कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. के. के. अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल ने शिविर की गतिविधियों की रूपरेखा

प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ. रेशू जौहरी, डॉ. आकाश गंगवार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. दीक्षा रस्तोगी, राकेश कुमार, मयंक शर्मा, अंशिका और रितु सिंह सहित अन्य प्रवक्ता उपस्थित रहे। शिविर के समापन अवसर पर स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सामाजिक विषयों पर नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति दी गई। इसमें दहेज प्रथा पर आधारित लघु नाटिका को प्रथम पुरस्कार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय को द्वितीय, महिला सशक्तिकरण को तृतीय तथा साइबर क्राइम और बाल श्रम विषय पर सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। ग्राम प्रधान राधा देवी ने विद्यार्थियों के अनुशासन और सेवा भावना की सराहना की। वहीं महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में बेस्ट वॉलंटियर अवॉर्ड अमित कुमार और कमल राठौर को दिया गया। साथ ही गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने वाले एनएसएस के पूर्व छात्र उज्जवल तिवारी, दिवाकर शर्मा और पूर्व स्वयंसेविका मोहिनी सिंह को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. के. के. अग्रवाल ने सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों और कॉलेज स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सिलिंडर नही मिलने से स्ट्रीट फूड कारोबार प्रभावित; गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लगीं लाइनें

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था प्रभावित होने से घरेलू गैस संकट की स्थिति बन गई। बुकिंग का सर्वर डाउन होने के कारण उपभोक्ता और फोन के गैस बुकिंग पाए। इसके एजेंसियों पर की लंबी गईं, लोग सिलेंडर लेकर भटकते रहे। स्थानों पर गैस सुबह से ही

मोबाइल एप माध्यम से नहीं करा चलते कई उपभोक्ताओं कतारें लग खाली दिनभर शहर के कई एजेंसी पर उपभोक्ताओं की कतारें लगी रही। कई जगह-जगह बहुत से उपभोक्ता अपने से साथ दो-दो सिलेंडर लेकर गैस लेने भी पहुंचे। शहर के विभिन्न स्थानों पर रसोई गैस के पहुंचने की सूचना मिलते ही उपभोक्ता एजेंसियों पर जमा हो गए। हालात ऐसे रहे कि कुछ एजेंसियों पर उपभोक्ता ट्रकों के पास भी लाइनें लगाकर खड़े रहे। उपभोक्ताओं को ट्रकों से सीधे सिलेंडर उतारकर उपभोक्ताओं को दिए गए। कहीं-कहीं ठेलों के माध्यम से भी सिलेंडर वितरण की व्यवस्था की गई, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। इसके बावजूद कई जगह अव्यवस्था की स्थिति बनी रही। गैस एजेंसियों के सेल्समैनों के अनुसार सामान्य दिनों में बुकिंग के आधार पर ही सिलेंडर दिए जाते हैं, लेकिन सर्वर डाउन होने से व्यवस्था प्रभावित हो गई। कुछ स्थानों पर कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आईं, जहां घरेलू सिलेंडर 1500 से 1600 रुपये तक में बिकने की चर्चा रही। गैस एजेंसियों की मनमानी पर लगाम लगाने को जिला पूर्ति कार्यालय ने कसी कमर- एलपीजी गैस की आपूर्ति में देरी, डिलीवरी में लापरवाही और उपभोक्ताओं से तय कीमत से अधिक वसूली की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए जिला पूर्ति कार्यालय सख्त हो गया है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला पूर्ति विभाग ने निगरानी और सख्त कर दी है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए विभाग ने 9456667774 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस नंबर पर एलपीजी गैस की बुकिंग, डिलीवरी में देरी, आपूर्ति में समस्या या अधिक कीमत वसूलने से जुड़ी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

8 माह से मानदेय न मिलने पर मनरेगा कर्मियों का आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत जनपद के विकासखंड अमरिया में मनरेगा कर्मियों ने लंबे समय से लंबित मानदेय और ईपीएफ भुगतान को लेकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई है। कर्मियों ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और उपायुक्त श्रम एवं रोजगार को संबोधित ज्ञापन कि यदि शीघ्र भुगतान चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर्मियों का कहना है कि अनुरूप जनपद में मनरेगा करने में अहम भूमिका एसआईआर, कॉप सर्वे में भी पूरी निष्ठा के साथ बावजूद जुलाई 2025 से मिला है, जबकि ईपीएफ

सौंपते हुए चेतावनी दी है नहीं किया गया तो वे करने को मजबूर होंगे। उन्होंने विभागीय निर्देशों के के सभी लक्ष्यों को पूरा निभाई है। इसके अलावा समेत अन्य सरकारी कार्यों योगदान दिया है। इसके अब तक उनका मानदेय नहीं की देयता भी लंबे समय से लंबित है। कर्मचारियों का आरोप है कि दीपावली और अब होली जैसे प्रमुख त्योहार भी उन्हें बिना वेतन के ही बिताने पड़े, जिससे उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ा है। लगातार वेतन न मिलने से कर्मचारियों में भारी निराशा है। उनका कहना है कि प्रदेश में वेतन न मिलने के कारण आत्महत्या जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जो बेहद चिंताजनक है। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश द्वारा देश में सर्वाधिक मानव दिवस सृजित करने पर सरकार की सराहना की जाती है, लेकिन इसके बावजूद कर्मचारियों को मानदेय और ईपीएफ का भुगतान न होना गंभीर वित्तीय अनियमितता की ओर संकेत करता है। कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे अपनी मांगों को लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों के समक्ष आंदोलन करेंगे। इस दौरान रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष आदेश वर्मा, उपाध्यक्ष अमनदीप सिंह, दीनदयाल, पंकज कुमार, मदनपाल, फिरोज खान, अरविंद, चंद्रपाल, आसिफ, पूरनलाल, खान सिंह, विनोद कुमार और मनोज कुमार सहित कई ग्राम रोजगार सेवक और पंचायत सहायक मौजूद रहे। कर्मियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनका लंबित मानदेय और ईपीएफ का भुगतान जल्द कराया जाए, ताकि वे बिना आर्थिक संकट के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

दरोगा भर्ती परीक्षा में सीओ और इंस्पेक्टर संभालेंगे केंद्रों की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों के बाद उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा को बरेली मंडल में पूरी तरह नकल विहीन, पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन और पुलिस ने कमर कस ली है। 14 और 15 मार्च पर 73,920 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को लेकर बरेली रेंज के पुलिस कप्तानों को सख्त निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने कहा कि एफआईआर होगी और उन्हें जेल भेजा जायेगा। साहनी ने कहा कि उप होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के आसपास संवेदनशील जाए। डीआईजी ने कहा कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों के आवागमन के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश और सुरक्षा का भी आकलन करने को कहा गया है। 53 केंद्रों पर प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित इस परीक्षा में बरेली मंडल के चार बनाए गए हैं। इसमें बरेली में 19 केंद्र, 32,640 अभ्यर्थी, शाहजहांपुर पीलीभीत में 6 केंद्र, 5,760 अभ्यर्थी शामिल होंगे। बरेली में 19 केंद्र, दो दिनों में 32,640 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दो पालियों में होगी- शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रत्येक पाली में 8,160

को आयोजित होने वाली इस परीक्षा में बरेली समेत चार जिलों के 53 केंद्रों डीआईजी अजय साहनी ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी जिलों के तरह की गड़बड़ी, अव्यवस्था या अवैध गतिविधि किसी भी कीमत पर साल्वरों पर पुलिस की सीधी नजर रहेगी। साल्वर पकड़े जाने पर सीधे निरीक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर हर केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद इलाकों की पहले से पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। इसके लिए रेलवे और रोडवेज अधिकारियों दिए गए हैं। साथ ही बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों के ठहरने की व्यवस्था 73,920 अभ्यर्थी, चार जिलों में होगी परीक्षा- उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं जिलों-बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत में कुल 53 परीक्षा केंद्र में 13 केंद्र, 18,240 अभ्यर्थी, बदायूं में 15 केंद्र, 17,280 अभ्यर्थी, 950 कैमरों की निगरानी- बरेली जिले में 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां पहली पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से अभ्यर्थी परीक्षा देंगे और एक केंद्र पर लगभग 480 परीक्षार्थियों की व्यवस्था की गई है। परीक्षा की निगरानी के लिए 950 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा 450 पुलिसकर्मियों के साथ 836 शिक्षक और कर्मचारी परीक्षा संचालन में लगाए गए हैं। बायोमेट्रिक एंट्री, मेटल डिटेक्टर और कंट्रोल रूम- परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए तकनीकी निगरानी को भी मजबूत किया गया है। सभी परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक एंट्री सिस्टम लागू किया गया है, जिससे अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रों के प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर से जांच होगी और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन या स्मार्ट डिवाइस पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। हर परीक्षा केंद्र पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जबकि जिला स्तर पर पुलिस लाइन और ट्रेजरी में बने स्ट्रांग रूम में भी कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इसके अलावा एलआईयू (स्थानीय खुफिया इकाई) और साइबर टीम सोशल मीडिया की निगरानी करेगी ताकि पेपर लीक या अफवाह जैसी गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई हो सके। केंद्रों पर सीओ-इंस्पेक्टर की निगरानी, भारी पुलिस बल तैनात रहेंगे सुरक्षा व्यवस्था के तहत हर परीक्षा केंद्र की निगरानी एक क्षेत्राधिका री (सीओ) और संबंधित थाना प्रभारी करेंगे। दो केंद्रों पर एक सीओ को जिम्मेदारी दी गई है। केंद्र के बाहर भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा, जिसमें इंस्पेक्टर, महिला कांस्टेबल और अन्य पुलिसकर्मी शामिल होंगे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला, पति समेत आठ पर मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / नवाबगंज बरेली। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने एक विवाहिता को पीटकर घर से निकाल दिया। विवाहिता ने पति समेत आठ लोगों के खिलाफ थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के रतनानंदपुर गांव की शमा का निकाह वर्ष 2019 में भमोरा थाना क्षेत्र के गांव नौगवां गुरुगोंच निवासी शाहिद से हुआ था। शादी में उसके पिता ने आठ लाख रुपये खर्च किए थे। लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही पति शाहिद, ससुर शब्बीर शाह, सास शहनाज, देवर उवैस, ननद शिमा, रिंकी, निशा व ननदोई आसिफ उससे पांच लाख रुपये नकद और कार की मांग करने लगे। जिसपर उसने अस्मर्थता जताई तो ससुरालवाले उससे मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे। इसी बीच उसने दो बेटियों को जन्म दिया तो ससुराल वाले उसे और अधिक प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर गुरुवार को ससुरालवालों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया।

एडिट कर फोटो सोशल मीडिया पर किए वायरल ,छह लोगों पर केस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर में शोहदे ने युवती के एडिट करके अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। विरोध करने पर अपहरण की धमकी दी। शिकायत करने पहुंचे पीड़िता के परिजनों को बेरहमी से पीटा। पीड़िता के पिता की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फरीदपुर के एक गांव की युवती को पड़ोस का इमरान कई दिन से छेड़खानी कर रहा था। युवती ने विरोध किया जिसके बाद इमरान ने युवती के एडिट फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। युवती को उठा ले जाने की धमकी दी। परेशान होकर युवती ने परिवार वालों को मामले की जानकारी दी। परिवार के लोग इमरान की शिकायत करने उसके घर पहुंचे। आरोप है जिसके बाद इमरान और उसके परिवारवालों ने पीड़िता के घर पर हमला बोल दिया। घर में घुसकर पूरे परिवार को बेरहमी से पीटा। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी इमरान, उसके पिता चन्ने शाह,चुन्ने शाह,रेहान, नगीना समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में गैस और पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, 91 गैस एजेंसियां और 193 पेट्रोल पंप फुल स्टॉक में, कालाबाजारी और ओवर रेटिंग पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, । जिले में एलपीजी गैस और पेट्रोल-डीजल की किल्लत की चल रही चर्चाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति साफ कर दी है। जिला मनीष बताया 91 और 193

पूर्ति अधिकारी कुमार सिंह ने कि जनपद में इंडेन, एचपी भारत गैस एजेंसियां तथा पेट्रोल पंप पूरी तरह पर्याप्त स्टॉक के साथ संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन ऑयल का सर्वर डाउन होने के कारण कुछ उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग में दिक्कत आ रही है, लेकिन जल्द ही सर्वर ठीक होने की उम्मीद है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। डीएम अविनाश सिंह के निर्देश पर कालाबाजारी और ओवररेटिंग रोकने के लिए शहर की कई गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण भी किया गया। जांच के दौरान एजेंसियों के गोदामों का स्टॉक ऑनलाइन रिकॉर्ड से मिलान किया गया, जिसमें कोई अनियमितता नहीं मिली। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को समय से गैस उपलब्ध कराई जाए और किसी भी तरह की ओवररेटिंग या अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं की शिकायतों के लिए जिला पूर्ति कार्यालय की हेल्पलाइन 9456667774 जारी की गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि गैस या पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और गैस बुकिंग फोन, मिस्ड कॉल, व्हाट्सएप या मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे कराएं।

महिलाओं को कोई काम नहीं देगा': पीरियड्स लीव पर CJI की टिप्पणी, अनिवार्य छुट्टी की याचिका पर सुनवाई से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के लिए मासिक धर्म अवकाश पर राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग वाली पीआईएल पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इसे कानूनन अनिवार्य करने से नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से बच सकते हैं और इससे लैंगिक रूढ़ियां मजबूत हो सकती हैं।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिलाओं कर्मचारियों और छात्राओं के लिए देशभर में मासिक धर्म अवकाश नीति की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ऐसी नीति अनजाने में लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा दे सकती है और इससे महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि और नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से कतराने लगेंगे।सुप्रीम कोर्ट का तर्क ?- मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऐसी मांगें अनजाने में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादी सोच को भी मजबूत कर सकती हैं। अदालत ने टिप्पणी की कि मासिक धर्म को किसी कमजोरी या हीनता के रूप में पेश करना सही नहीं है।हालांकि, अदालत ने यह भी कहा कि संबंधित सक्षम प्राधिकारी इस विषय पर दी गई याचिकाकर्ता की प्रतिनिधित्व पर विचार कर सकते हैं और सभी हितधारकों से परामर्श करके नीति बनाने की संभावना की जांच कर सकते हैं। यह याचिका शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने दायर की थी, जिसमें महिलाओं के लिए छात्रों और कामकाजी महिलाओं दोनों के लिए मासिक धर्म अवकाश की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी। मासिक धर्म अवकाश पर केरल का दिया उदाहरण- सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम. आर. शमशाद ने बताया कि कुछ राज्य और संस्थान पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुके हैं। उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्कूलों में कुछ राहत दी गई है और कई निजी कंपनियां भी स्वेच्छा से कर्मचारियों को यह अवकाश दे रही हैं। कानून के जरिए अनिवार्य बनाने से क्या होगा?- इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्वैच्छिक रूप से दी गई ऐसी सुविधाएं अच्छी हैं, लेकिन अगर इसे कानून के जरिए अनिवार्य बना दिया गया तो इसके सामाजिक और पेशेवर प्रभाव पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह धारणा बन सकती है कि महिलाओं को अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जिससे उनके रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता पहले ही संबंधित अधिकारियों को इस विषय पर प्रतिनिधित्व दे चुके हैं, इसलिए बार-बार अदालत से आदेश मांगने की आवश्यकता नहीं है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रतिनिधित्व पर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया।

प्रदेश में सात आईएएस व चार पीसीएस अधिकारी इधर से उधर, लोकेश एम बने पीडब्ल्यूडी के सचिव

उत्तर प्रदेश सरकार ने सात आईएएस और चार पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। लोकेश एम को लोक निर्माण विभाग का सचिव बनाया गया है। कई अधिकारियों को नए विभागों में जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत करने के लिए विभिन्न जिलों और विभागों में यह फेरबदल किया गया है।राज्य सरकार ने शुक्रवार को सात आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। लोक निर्माण विभाग के सचिव प्रकाश बिंदु को गृह विभाग भेजा गया है। नोएडा में इंजीनियर की मौत के मामले में हटाए जाने के बाद प्रतीक्षारत चल रहे लोकेश एम. को पीडब्ल्यू में सचिव बनाया गया है। प्रतीक्षारत चल रहीं महेंद्र प्रसाद को उप्र पुनर्गठन समन्वय विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है।इसी तरह उप्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी की निदेशक नीना शर्मा को सार्वजनिक उद्यम विभाग का प्रमुख सचिव एवं महानिदेशक बनाया गया है। वहीं सार्वजनिक उद्यम के महानिदेशक संजय कुमार को उप्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी का निदेशक बनाया गया है।धर्मार्थ कार्य विभाग के विशेष सचिव रघुबीर को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है। उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक आशीष कुमार को धर्मार्थ कार्य विभाग में विशेष सचिव के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। चार पीसीएस अधिकारी इधर से उधर- शासन ने शुक्रवार को चार पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। झांसी में एसडीएम प्रदीप कुमार सिंह द्वितीय को गोंडा भेजा गया है। मथुरा में एडीएम (न्यायिक) सुरेंद्र कुमार को कानपुर मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है। जालौन में एसडीएम वेद प्रिय आर्य को मथुरा का एडीएम (न्यायिक) बनाया गया है। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण, झांसी के विशेष कार्याधिकारी कुशीनगर का एडीएम (न्यायिक) बनाया गया है।

एसआई भर्ती परीक्षा कल से, प्रदेश के 1090 केंद्रों पर होगा आयोजन; मिलेगा पांच मिनट का अतिरिक्त समय

यूपी एसआई भर्ती परीक्षा कल से आयोजित होगी। यह परीक्षा 14 और 15 मार्च को आयोजित होगी। इसके लिए इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा शनिवार और रविवार को जाएगी। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को आवश्यक करने के लिए निर्धारित परीक्षा अवधि के अतिरिक्त भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने परीक्षा के सुचारु संचालन के बाद उन्हें डबल लॉक में सुरक्षित रखा गया है। शनिवार परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। वहीं, शुक्रवार से में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए सॉल्वर एजेंसियां नजर बनाए हुए हैं। महिला अभ्यर्थियों की वाले जिले में परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं। भर्ती के लिए शुभकामनाएं दी हैं। 4543 पदों पर होगी

प्रदेश के सभी जिलों के 1090 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की निर्देश पढ़ने, उपस्थिति पत्रक भरने तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी पांच मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।उत्तर प्रदेश पुलिस लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलों में प्रश्नपत्र पहुंचने के को परीक्षा शुरू होने से पहले कड़ी सुरक्षा के बीच प्रश्नपत्रों को ही परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। परीक्षा गैंग और पेपर लीक गिरोहों पर एसटीएफ समेत सभी सुरक्षा सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनके गृह जनपद के मंडल बोर्ड के अध्यक्ष डीजी एसबी शिरडकर ने अभ्यर्थियों को परीक्षा भर्ती- बोर्ड की ओर से 4543 उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। भर्ती के लिए कुल 1575760 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, जिनमें 1166386 पुरुष और 409374 महिलाएं शामिल हैं। परीक्षा शनिवार और रविवार को दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

डीएम आवास के पास फायरिंग से सनसनी, एक युवक घायल; पुलिस कर रही जांच

गोंडा में डीएम आवास के पास फायरिंग से सनसनी फैल गई।

गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।यूपी के गोंडा में शुक्रवार शाम शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित डीएम आवास के पास फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई। गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।बताया जा रहा है कि अजीत और राम सिंह के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान आवेश में आकर राम सिंह ने बंदूक से फायर कर दिया। गोली अजीत के साथ मौजूद उसके चचेरे भाई सुजीत को लग गई। इससे वह घायल हो गया।घायल सुजीत को तत्काल अस्पताल भेजा गया। वहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करके जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बिजनौर से लापता हो गईं इंटर की छह छात्राएं, 24 घंटे बाद बाद हरिद्वार में मिलीं, बताई हैरान करने वाली बात

चांदपुर से छात्राएं संस्कृत की परीक्षा देकर घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छात्राओं को हरिद्वार से बरामद कर लिया। छात्राओं कहना था कि वे आगे की पढ़ाई करने के लिए घर से चली गई थीं, किराए पर कमरा भी ले लिया था। संस्कृत विषय की परीक्षा देने के बाद लापता हुईं इंटर की छह छात्राओं की बरामदगी के लिए दिनभर थाने में हंगामा चला। पुलिस की 11 टीमों का गठन भी किया गया। मगर शुक्रवार की शाम ढलने तक इन छात्राओं को ढूंढ निकाला, जोकि हरिद्वार में मिलीं।बृहस्पतिवार को चांदपुर के एक परीक्षा केंद्र पर यूपी बोर्ड के संस्कृत विषय की परीक्षा हुई। इस परीक्षा में शामिल होने वाली थाना हीमपुर दीपा और चांदपुर के अलग-अलग दो गांव की चार छात्राएं अपनी दो सहपाठियों के साथ लापता हो गईं। देर शाम तक छात्राओं के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने पुलिस को छह छात्राओं के लापता होने की तहरीर दी।इस मामले में शुक्रवार को छात्राओं के परिजन और अन्य लोग चांदपुर थाने पहुंच गए। हंगामा कर छात्राओं की बरामदगी की मांग की। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया लेकिन लोगों में रोष बना हुआ था। महिलाएं दरी बिछाकर बैठ गईं। सूचना पर थाने पहुंचे एएसपी सिटी कृष्ण गोपाल सिंह ने लोगों को समझाकर शांत किया। छात्राओं के परिजनों के अलावा शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह, शेरबाज पठान, भाजपा नेता कपिल चौधरी, प्रमोद सूर्या, वीरेंद्र राजपूत, डॉ. लाखन सिंह पाल, विक्की जोशी आदि थाने में मौजूद रहे। नौकरी करने के इरादे से हरिद्वार पहुंची थी छात्राएं- एसपी एसपी अभिषेक झा ने बताया कि छात्राओं को बरामद कर लिया गया है। बताया कि वे नौकरी करते हुए आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहती थीं। हरिद्वार पहुंचकर छात्राओं ने रोशनाबाद में तीन हजार रुपये मासिक पर कमरा किराए पर ले लिया था। छात्राओं को बरामद करने के बाद वन स्टॉप सेंटर पर भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, डीएम ने फील्ड ट्रेनरों के प्रशिक्षण का किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को बेनहर गुरुकुल विद्यालय में जनगणना-2027 के लिए फील्ड ट्रेनरों के तीन दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे अधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया और उसकी महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया है, जबकि द्वितीय चरण में 36 फील्ड ट्रेनरों को तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दोनों चरणों में कुल 72 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 13, 14 और 16 मार्च तक चलेगा। उन्होंने कहा कि जनगणना की शुरुआत अंग्रेजों द्वारा वर्ष 1872 में की गई थी। इसके माध्यम से गांव और शहरों की जनसंख्या का सही आंकलन होता है, जिससे विकास योजनाओं और संसाधनों के वितरण में मदद मिलती है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाती हैं तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। डीएम ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों का सूचीकरण किया जाएगा। इसके बाद जनसंख्या से जुड़े विस्तृत आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। जनगणना के दौरान कुल 33 पैरामीटर पर सर्वे किया जाएगा, जिनके आधार पर सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक बारीकी को गंभीरता से समझने और अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को सही तरीके से प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला न्यायालय परिसर में 20 मार्च को विभिन्न ठेकों की नीलामी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। मा0 जनपद न्यायाधीश के आदेश के अनुपालन में जिला जजी परिसर में वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न ठेकों की नीलामी 20 मार्च को अपराह्न 4 बजे न्यायालय सभागार में आयोजित की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नीलामी में कैन्टीन ठेका (अर्नेस्ट मनी 1,06,000 रुपये), मोटरसाइकिल व साइकिल स्टैंड ठेका (67,500 रुपये), ड्राई फ्रूट व मूंगफली ठेका (10,000 रुपये) तथा फोटोग्राफी ठेका (4,200 रुपये) शामिल हैं। नीलामी की प्रक्रिया जिला जज की स्वीकृति के अधीन रहेगी और सबसे अधिक बोली लगाने वाले के पक्ष में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। नीलामी में सफल होने वाले बोलीदाता को बोली की 50 प्रतिशत धनराशि तत्काल जमा करनी होगी। साथ ही जिस ठेकेदार पर कोई सरकारी देयक बकाया होगा, उसे नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नीलामी से संबंधित अन्य शर्तों एवं जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्य दिवस में केन्द्रीय नाजिर कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अध्यक्ष नीलाम समिति, अपर जिला जज, जनपद न्यायालय पीलीभीत से भी संपर्क किया जा सकता है।

06 केंद्रों पर होगी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा, डीएम-एसपी ने परखी व्यवस्थाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को सकुशल और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने शुक्रवार को जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने ड्रमण्ड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज, एस.एन. इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय तथा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में बने परीक्षा केंद्रों के कक्षों का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्युत व्यवस्था, पेयजल, पंखे, शौचालय और सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य व्यवस्थाओं को परखा गया। प्रशासन के अनुसार उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की भर्ती परीक्षा 14 और 15 मार्च को जनपद के छह केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जहां भी कोई कमी हो उसे तत्काल दूर किया जाए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

14 मार्च को पीलीभीत में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। पीलीभीत। जनपद में लंबित वादों के त्वरित निस्तारण के लिए 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक दीवानी न्यायालय परिसर पीलीभीत के साथ-साथ बाह्य न्यायालय पूरनपुर और बीसलपुर में आयोजित होगी। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के सचिव सतीश कुमार तृतीय ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश रविन्द्र कुमार चतुर्थ के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने जनपद के लोगों से अपील की है कि जिनके मामले न्यायालयों में लंबित हैं, वे राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर सुलह-समझौते के आधार पर अपने वादों का निस्तारण करा सकते हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा पक्षकारों को त्वरित न्याय मिल सकेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए न्यायालय परिसर पीलीभीत से जनपद न्यायाधीश रविन्द्र कुमार चतुर्थ ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जनपद की विभिन्न तहसीलों में जाकर लोगों को लोक अदालत के प्रति जागरूक करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

दो बाइकों की टक्कर, तीन लोग गंभीर घायल

प्रेमचंद जायसवाल /क्यूँ न लिखूँ सच / श्रावस्ती के जमुनहा बहराइच मार्ग पर शिकारी गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र के ग्राम पंचायत रानीसीर के मजरा बेगमपुर निवासी तुलसी पुत्र अशरफी (26) और खुशबू पुत्र पंचू (28) निवासी बदला गांव किसी कार्य से मल्हीपुर आए हुए थे। कार्य समाप्त कर दोनों बाइक से वापस अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान थाना मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटना के मजरा नई बस्ती निवासी राजू पुत्र हारून (20) की बाइक से जमुनहा बहराइच मार्ग पर स्थित शिकारी गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक सहित तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस यूपी 32 ईजी 8816 के ईएमटी रमेश चंद्र शुक्ला और पायलट सुजीत तिवारी ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुंचाया। सीएचसी मल्हीपुर में डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया गया।

घरेलू गैस सिलेंडरों की सुचारू आपूर्ति के लिए निर्देश जारी, उपभोक्ता घर से ही करें बुकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की नियमित और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर सभी ऑयल कंपनियों और संबंधित गैस एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गैस बुकिंग प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए एजेंसियों पर पोस्टर और बैनर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति बनाए रखने के लिए 25 दिनों के अंतराल पर बुकिंग अवश्य करें। वहीं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए 45 दिनों के अंतराल पर गैस बुकिंग की व्यवस्था लागू रहेगी। ऑयल कंपनियों ने बताया कि उपभोक्ता ऑनलाइन माध्यम से गैस बुकिंग कर सकते हैं। यदि किसी कारणवश ऑनलाइन बुकिंग संभव नहीं हो तो उपभोक्ता अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से कॉल या मिस्ड कॉल देकर भी गैस सिलेंडर बुक करा सकते हैं। इसके लिए कंपनियों द्वारा हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ता आसानी से बुकिंग कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और घर बैठे मोबाइल ऐप, कॉल या मिस्ड कॉल के माध्यम से गैस बुकिंग की सुविधा का लाभ उठाएं। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की भी सलाह दी गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की डोर-टू-डोर डिलीवरी व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भारतीय मजदूर संघ का वार्षिक अधिवेशन, नई कार्यकारिणी का गठन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। भारत मुकुट वेंकट हाल में शुक्रवार को भारतीय मजदूर संघ, जिला पीलीभीत का वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भूपेंद्र सिंह राणा, प्रदेश मंत्री देव वर्मा तथा अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं संस्थापक दत्तोपंत ठेंगरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर नगर प्रचारक कुलदीप जी भी मौजूद रहे। अधिवेशन में भारतीय मजदूर संघ के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष साधुराम दिवाकर ने पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू कराई। मुख्य अतिथियों के निर्देशन में सर्वसम्मति से ब्रह्मस्वरूप वर्मा को जिला अध्यक्ष और शेर सिंह चौहान को जिला मंत्री चुना गया। इसके अलावा कार्यकारी अध्यक्ष साधुराम, उपाध्यक्ष सूरज अग्निहोत्री, शीशपाल सिंह, राजेंद्र शर्मा और विजय राजपूत, कोषाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, प्रचार मंत्री नंद किशोर कश्यप, संयुक्त मंत्री अमरेश कुमार, ओमकार सिंह, बृजलाल व राजकुमार, मीडिया प्रभारी राजकुमार वर्मा और ऑडिटर बृजेश कुमार चुने गए। अंत में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष ने सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेतवा नदी में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित उपकरण जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- विदिशा जिले में अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी है। आज शुक्रवार को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में खनिज अधिकारी एवं खनिज निरीक्षक द्वारा अमले के साथ बेतवा नदी में हो रहे अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान तहसील गंज बासौदा के ग्राम निवादिया एवं कुरावद क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन करते पाए जाने पर एक रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। साथ ही मौके से दो रेत छानने वाले छनना, चार फावड़े और 12 तगड़ियां सहित अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। जब्त सामग्री को सुरक्षित रखते हुए दो छन्नों को देहात थाना में जमा कराया गया है। इसके अतिरिक्त ग्राम दुनतर में भी अवैध रेत उत्खनन की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मौके पर उपयोग किए जा रहे ट्रैक्टर ट्यूब को नष्ट किया गया तथा तीन रेत छानने वाले उपकरणों को भी नष्ट किया गया। यह पूरी कार्रवाई नायब तहसीलदार एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जब्त सामग्री के संबंध में नियमानुसार प्रकरण तैयार कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

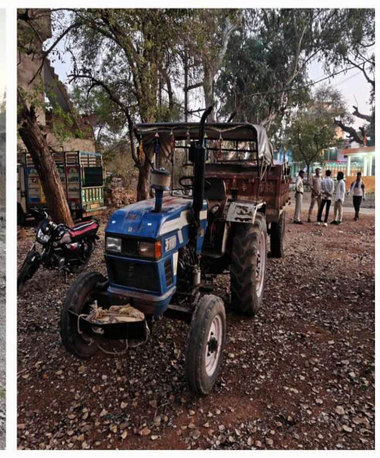

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त का कृषकों ने देखा सीधा प्रसारण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के

अंतर्गत 22वीं किस्त की राशि का हस्तांतरण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 13 मार्च 2026 को गुवाहाटी (असम) से सायं 5 बजे किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के कृषकों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी में भी किया गया, जिसे किसानों ने उत्साहपूर्वक देखा। इस अवसर पर आयोजित कृषि गोष्ठी में केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को जायद फसलों की उन्नत तकनीक, फसल प्रबंधन तथा प्राकृतिक खेती के संबंध में तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जो छोटे एवं लघु किसानों को कृषि आदान क्रय करने में सहयोग प्रदान करती है। योजना के तहत राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है, जिससे किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में सुविधा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि 13 मार्च 2026 को 22वीं किस्त के रूप में 18 हजार 640 करोड़ रुपये से अधिक की राशि देशभर के 9 करोड़ 32 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की गई है। इस कार्यक्रम का देशभर में विभिन्न संचार माध्यमों के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की जानकारी देने हेतु विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से 2500 से अधिक किसानों को समूहों के माध्यम से सूचना भेजी गई, जिसे किसानों ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत रातौर एवं पिपरसमां के सरपंच, प्रगतिशील किसान, किसान महिलाएं तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाफ सहित 50 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

श्रावस्ती में भीषण सड़क दुर्घटना, एसएसबी टीम ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

प्रेमचंद जायसवाल /क्यूँ न लिखूँ सच / श्रावस्ती गोबर्धन पुजारी, उप कमांडेंट अपने एस्कॉर्ट आरक्षी देवेंद्र सिंह बसेडा एवं आरक्षी चालक गजेन्द्र सिंह के साथ सरकारी वाहन से सीमा चौकी रानियापुर से वाहिनी मुख्यालय भिनगा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान चिल्हारिया- भिनगा रोड़ पर गुलरा पटरा गांव के पास एक कार को ट्रक डम्पर द्वारा टक्कर मार दी गई, जिससे कार में सवार 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना को देखते ही उप कमांडेंट गोबर्धन पुजारी एवं उनकी टीम ने तुरंत पुलिस एवं एम्बुलेंस को फोन कर मौके पर बुलाया तथा सभी घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय भिनगा पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था कराई। घटना की सूचना तुरंत अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही उन्होंने घायलों की सहायता के लिए वाहिनी से त्वरित प्रतिक्रिया दल (त्क्रक्ष) को अस्पताल भेजा। क्यूआरटी टीम ने वहां पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। दुर्घटना में घायल व्यक्तियों में ग्राम सिरसिया निवासी 1.मनीष कुमार सोनी (उम्र 33 वर्ष) 2. सूर्यभान सोनी (उम्र 32 वर्ष) 3. ओजेश (उम्र 18 वर्ष) 4. अतुल सोनी (उम्र 17 वर्ष) शामिल हैं। वहीं संतोष कुमार सोनी (उम्र 31 वर्ष) की इस दुर्घटना में दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गई। एसएसबी अधिकारियों एवं जवानों द्वारा समय पर की गई इस मानवीय सहायता की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की गई। सशस्त्र सीमा बल सीमा सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों की सहायता के लिए भी सदैव तत्पर रहता है।

श्रावस्ती में अवैध कब्जों पर गरजा बुलडोजर, कोर्ट के आदेश पर ढहाए गए अवैध निर्माण

प्रेमचंद जायसवाल /क्यूँ न लिखूँ सच / श्रावस्ती = गिलौला थाना क्षेत्र में प्रशासन ने बंजर भूमि पर बने अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया. तिलकपुर मोड़ के पास चलाए गए इस अभियान के दौरान गारा-माटी और फूस से बनी तीन झोपड़ियों के अतिक्रमण वाले हिस्से को गिरा दिया गया. अभियान के दौरान मौके पर राजस्व और भारी पुलिस बल तैनात रहा. बताया गया कि श्रावस्ती प्रशासन को गिलौला थाना क्षेत्र के तिलकपुर मोड़ पर बंजर भूमि पर अवैध रूप से झोपड़ियां बनाकर रहने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं. जांच के बाद संबंधित लोगों को अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी कर स्वयं जमीन खालो करने का निर्देश दिया गया था. समय सीमा के अंदर अतिक्रमण न हटाए जाने पर कोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की. अभियान के दौरान मौके पर राजस्व और भारी पुलिस बल तैनात किया गया था. स्थानीय लोगों के मुताबिक ध्वस्त की गईं झोपड़ियां राम तीरथ यादव, मोतीलाल यादव और शिव शंकर यादव नामक तीन भाइयों की थीं. इन तीनों परिवारों में कुल मिलाकर दो दर्जन से अधिक सदस्य रहते थे. परिवारों का दावा है कि वे कई वर्षों से इसी स्थान पर रह रहे थे. उन्हें कुछ समय पहले प्रशासन की ओर से नोटिस मिला था, लेकिन इस मामले में मुकदमा चल रहा था. कार्रवाई बंजर भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए की गई है. प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह अभियान कोर्ट के आदेश के अनुपालन में चलाया गया है और सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

रैंम्प के दोनों तरफ बड़े-बड़े गड्ढे, दुर्घटना की बनी आशंका

प्रेमचंद जायसवाल /क्यूँ न लिखूँ सच / श्रावस्ती - विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत कल कलवा मार्जिनल बंध पर ग्राम पंचायत सागर गांव के मजरा दोनों तरफ काफी हो चुका है ग्रामीणों सामना करना पड़ता से शिकायत की है अधिकारी अंजान मुरैला में बने रैंप पर काफी बड़े-बड़े गड्ढे हैं बड़े-बड़े गड्ढे होने की वजह से रैंप क्षतिग्रस्त को आने-जाने में काफी परेशानियों का है ग्रामीणों ने इसके लिए कई बार अधिकारियों कि इसका मरम्मत करवा दिया जाए लेकिन बने हुए हैं इस रैम्प पर काफी आवागमन होता है कई लोग दुर्घटनाओं की वजह से चोटिल हो चुके हैं लेकिन प्रशासनिक अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं

Sleeping on the wrong pillow increases the risk of these serious diseases, a doctor offers important advice.

Improper use of pillows is very harmful to our health. Sometimes, despite having the right pillow, people fail to use it properly. So, in this article, let's learn in detail from a doctor about pillow use. Most people know that choosing the wrong pillow can cause neck pain. However, few people believe that the pillow they rest their head on while sleeping can contribute to health problems like cholesterol, diabetes, and high blood pressure. Dr. Shalini Singh Solanki has shared a video on this topic, in which she explains several important things you should know. According to Dr. Shalini, using the wrong pillow causes misalignment of the cervical spine, which strains the neck muscles and increases pressure on the nerves. This directly affects blood circulation in the neck, disrupting deep sleep. She explained that the body repairs itself during deep sleep. Inadequate sleep can lead to increased insulin resistance and inflammation, which can lead to diseases like diabetes and high blood pressure. In this article, let's explore how to choose the right pillow. The Scientific Connection Between Disease and Sleep: According to Dr. Shalini, when the pillow isn't right, the body doesn't get the rest it needs for repair. Inadequate sleep creates stress, which disrupts metabolism and causes cholesterol levels to spiral out of control. Muscle tension and nerve compression keep the body in "fight or flight" mode throughout the night, leading to uncontrolled blood pressure. How to Choose the Right Pillow: Alignment: According to Dr. Shalini, the pillow should be at a height that keeps the neck and spine in a straight line. Material: Always choose a foam pillow, as it's neither too hard nor too soft, providing adequate support. Cover: For optimal comfort, always use a cotton pillow with a cotton cover, which is also safe for the skin. Sleeping position and pillow relationship: Choose the pillow size based on your position. If you sleep on your back, use a thinner pillow. If you sleep on your side, use a slightly thicker pillow to fill the gap between your shoulders and neck. Doctors recommend replacing or refilling your pillow every 2-3 years to maintain hygiene and support. Deep sleep is the key to longevity. According to Dr. Shalini Singh Solanki, not only gym and diet are enough for good health, but restful sleep on the right pillow is equally important. If you wake up feeling tired or achy in the morning, change your pillow immediately. Keep in mind that a small change can reduce your risk of serious diseases like diabetes and high blood pressure. Note: This article is based on information collected from medical reports.

Do you finish lunch or dinner in minutes? If you have a habit of eating too quickly, be careful.

Eating too quickly, meaning swallowing without chewing properly, directly impacts the digestive system. This can have many negative effects on the body. Are you making this mistake too? If you want to keep your body healthy and fit, improving your diet is considered crucial. Everything we eat and drink directly impacts our health. While it's important to be mindful of what we eat, it's even more important to be mindful of how we eat it. Health experts say that the increasing rush and rush of work are significantly changing people's eating habits. People don't have time to eat peacefully, so they are becoming accustomed to eating quickly. However, this habit is considered to increase the risk of many health problems. If you eat too quickly, be careful; it can have many disadvantages. Eating without chewing properly is not good - Nutritionists say that eating too quickly or without chewing properly and swallowing quickly directly affects the digestive system. When we don't chew food properly, saliva is not produced in sufficient quantities, which can cause digestive problems. It usually takes about 20 minutes for the brain to receive the signal of fullness, so people who eat quickly often overeat. Eating too quickly is not only harmful to digestive health but can also increase heart health and many other problems. Risk of stomach-related problems - Eating too quickly can affect your digestive system. The digestive process begins in the mouth, where enzymes in saliva begin to break down carbohydrates. When we swallow food without chewing properly, this process remains incomplete. This puts extra pressure on the stomach and can increase problems like acidity, gas, indigestion, bloating, and heaviness. Gastrointestinal problems are more common in people who eat fast. Furthermore, eating quickly also causes excessive air to be swallowed, which can lead to bloating and belching. It can also increase the risk of chronic diseases: Eating too quickly can increase your risk of obesity and metabolic diseases. If you eat too fast, your brain doesn't receive the signal of fullness, causing you to consume more calories than necessary. This increases the risk of weight gain, which can lead to type 2 diabetes and insulin resistance. Furthermore, this habit can cause metabolic syndrome, which can further lead to heart disease. Know these risks: Eating too quickly can have many other disadvantages. When food is swallowed without proper chewing, it can cause it to get stuck in the throat. Children and the elderly are at greater risk of food getting stuck in their throats due to eating too quickly. This can also lead to breathing problems and coughing.

If your blood pressure and sugar levels aren't controlled, you'll lose your kidneys. Negligence can prove costly.

When diabetes and high blood pressure remain uncontrolled for a long time, both diseases gradually damage the kidneys. Research shows that diabetes and hypertension are the leading causes of chronic kidney disease worldwide. The kidneys are one of the most vital parts of our body. Although this organ is quite small, it plays a significant role in the body's functioning. The kidneys filter approximately 130-140 liters of blood daily, removing toxins, wastes like urea and creatinine, and excess water. The kidneys also play a crucial role in controlling blood pressure. This small organ also has many important functions, such as maintaining the balance of electrolytes (sodium, potassium) and regulating the pH level of the blood. However, the incidence of kidney-related diseases is increasing rapidly worldwide, and even younger people are at risk. If kidney problems are not addressed promptly, they can lead to kidney failure, which is considered fatal. Lifestyle and dietary irregularities are considered major causes of kidney disease. But did you know that frequently elevated blood pressure and sugar levels can significantly increase the risk of kidney damage? Risk of Kidney Disease: World Kidney Day is celebrated annually on the second Thursday of March (this year, March 12th) to educate and raise awareness about the increasing prevalence of kidney disease worldwide and to alert people about kidney-related health problems. Several factors have been implicated in kidney disease: dietary irregularities, high sodium intake, smoking and alcohol consumption, overweight and obesity, and frequent use of painkillers. Health experts say that, in addition to these risk factors, people with frequently elevated blood sugar and blood pressure are more likely to develop kidney problems. Diabetes and hypertension are the leading causes of chronic kidney disease worldwide. Kidney disease due to high blood sugar: Doctors say that people who frequently have high blood sugar levels may be at higher risk of kidney disease. Long-term high blood sugar damages the small blood vessels in the kidneys, leading to diabetic nephropathy. Chronically high glucose levels weaken the filtering system, leading to protein in the urine, which can lead to chronic kidney disease. How dangerous is high blood pressure? Like high blood sugar, blood pressure also puts extra pressure on blood vessels. Blood pressure gradually damages the delicate veins of the kidneys. When the kidneys don't function properly, salt and water accumulate in the body, further increasing blood pressure. People with both high blood pressure and high sugar are at an even greater risk of kidney disease and its deterioration. What can be done to keep the kidneys healthy? Kidney specialists advise that patients with high blood pressure and diabetes should be especially careful about their kidney health. Keeping these levels under control can help prevent major problems. Furthermore, lifestyle modifications are also essential. Regular exercise helps maintain kidney health. This helps control blood pressure, weight, and blood sugar. To avoid high blood pressure, consume less than a teaspoon of salt. Drink adequate fluids daily to help the kidneys remove toxins. Increase the intake of fresh fruits, vegetables, and whole grains. Reduce or eliminate processed, high-sodium, and sugary foods. Maintain a healthy weight. Obesity can increase the risk of diabetes, hypertension, and kidney disease. Smoking slows blood flow to the kidneys, so avoid smoking.

Rashmika seen dancing with Vijay in the garden; brother-in-law Anand shared the video.

After their wedding, Vijay Deverakonda and Rashmika Mandanna are enjoying their family time. Meanwhile, a video of the couple dancing in the garden has surfaced. Find out how Rashmika and Vijay performed... Deverakonda are currently enjoying their share photos from their wedding dancing with husband Vijay Anand in the garden. Anand of this fun moment. Sister-in-law song - Rashmika Mandanna's brother-in-Deverakonda, shared a video on his Deverakonda is seen dancing with Vijay people. Vijay and Rashmika are dancing "Sancharme" from Anand First Semester." Everyone is seen dancing very happy." Sharing this video, Anand In the caption, Anand wrote, "Everything were really happy, listening to Sancharme. and dancing with loved ones?" The mood. In the video, Rashmika is seen shirt, while Vijay is seen in a printed shirt got married on February 26th - Rashmika married on February 26th last month

Rashmika Mandanna and Vijay married life. The couple continues to functions. Now, Rashmika is seen Deverakonda and brother-in-law Deverakonda himself shared the video Rashmika dances to brother-in-law's law and Vijay's brother, Anand Instagram. In the video, Anand and Rashmika, along with several other to the recently released song Deverakonda's upcoming film "Epic - in ecstasy. Anand said, "We were all Deverakonda also wrote a fun caption. looked chaotic, but at that moment we What could be happier than traveling caption shows that everyone is in a fun wearing shorts and a henna-colored and white pants. Vijay and Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda got after a relationship of several years. The two tied the knot in a private, grand ceremony in Udaipur. The couple then hosted a grand reception in Hyderabad on March 4. It was attended by many prominent stars from the South and Bollywood industries.

"This is not rebellion, it's love jihad," director Sanoj Mishra said on reports of viral girl Monalisa's marriage.

Director Sanoj Mishra has termed viral girl Monalisa's alleged marriage as love jihad. Find out who he accused seriously and what he said about Monalisa... Mahakumbh's viral girl Monalisa is once again in the news. This photo, but for news of her marriage. She According to media reports, Monalisa after news of her marriage surfaced, launching her in films, has reacted. Sanoj calling this step of Monalisa as love jihad. has written a long post on social media, but love jihad'. In this post, Sanoj Mishra and I am in mental depression, because a camp Maheshwar after going viral in and her form like nature. I gave her actress, the country and the world our opponents Wasim Rizvi and the people charges. Their aim was to make Yogi unsuccessful.' Monalisa's life is not easy - the story of the film while in jail and I never make the film so much that they did Everyone kept peeping at each other's Monalisa, whom I considered to be the

time, she's not in the news for a film or a new has reportedly married her Muslim boyfriend. married against the wishes of her family. Now, director Sanoj Mishra, who had talked about Mishra has written a long post on Facebook Sanoj Mishra wrote a long post- Sanoj Mishra which he has titled as - 'This is not rebellion wrote, 'Monalisa is in the news again today poor girl living in the forests had fled to her Mahakumbh. I liked her purity like Ganga training and announced to make her a film welcomed it. But this thing was not liked by supporting him. They sent me to jail on false Adityanath's mega event Mahakumbh In his post, the director further wrote, 'I wrote insulted those who were saying that Sanoj will not understand any of the allegations. closed doors. They had only one option, incarnation of Mother Ganga. Monalisa's life is not as easy as you all see. Her mother, elder mother, younger mother, father, elder father, younger father, all were a compulsion for her. In fact, her life depended on her real mother, whom her father had eloped with and married someone else. The nomads have different laws and discipline, so Monalisa had to accept the new mother she was told was her mother. Sanoj Mishra further wrote in his post, "When she became a big celebrity and saw her real mother selling garlands like a beggar, she would cry. She expressed this pain to me many times and even expressed her desire to rebel, saying that if she ever got the chance, she would kick everyone and go to her mother. I always tried to reason with her, but it was inappropriate to interfere in such personal matters. Because Islamic forces had left no stone unturned in making me a rapist. Monalisa's action today may seem like rebellion to her, but in reality, it is love jihad, of which she has become a victim. This also includes the stammering teacher who became Monalisa's manager after I paid her salary. I had chosen such unemployed people out of compassion, but later they became brokers and started trading her in South India." They distanced me from the Banjara community, the consequences of which are evident today. For the sake of a few rupees, the daughter of the Ganges has fallen victim to love jihad. "Everything I have lost" - Finally, referring to the investigation, the director wrote, "If an investigation is conducted, it will be my opponents who sent me to jail. But today, the biggest crisis I face is that I considered Monalisa the daughter of the Ganges and dedicated my entire life to her. I took a loan of 10 crore rupees to make the film, and I bore all its expenses to date. I went to jail because of her, and today all that is ruined. The one for whom I did everything has left me without a single answer. Her father is crying near the police station. I don't know what to do alone. Is this a stain on the sanctity of Mother Ganga and the Maha Kumbh, or is it my wrong decision to elevate someone from filth to greatness? I can't understand anything." Who suffered the biggest loss in this? Sanoj Mishra offered this film - After Monalisa went viral for selling garlands at the Maha Kumbh, Sanoj Mishra offered her a film. This film was "The Diary of Manipur." Shooting was about to begin, but controversy erupted. Sanoj Mishra faced numerous allegations and even had to go to jail.

Barbra Streisand will be honored with the Palme d'Or at the Cannes Film Festival, expressing her joy; she said, "In these difficult times

Actress and singer Barbra Streisand will be honored with the Honorary Palme d'Or. She expressed her joy at the award. The 79th Cannes Film Festival is about to begin. Actress and singer Barbra Streisand will be honored with the actress expressed her joy at being included in the Cannes. In a statement, Barbra Streisand said, "I join the list of Palme d'Or recipients whose work have the power to open our hearts and minds. They reveal perspectives that remind us of both our borders and politics." It helps create a kinder Speaking about this honor, festival director Thierry Barbra Streisand is above all an artist. She identity. These are her own and which she shares sing and see her perform." Who received the Oscar, and Tony winner will be attending Cannes Palme d'Or during the festival's awards ceremony Varda, Marco Bellocchio, Jodie Foster, Meryl been awarded the Honorary Palme d'Or. Will report, the actress is also expected to perform in the in honour of her late 'The Way We Were' co-star

Honorary Palme d'Or. The Oscar-winning list of recipients of the Honorary Palme d'Or at am proud to have received this honor. I now has inspired me. In these difficult times, films contain stories that reveal humanity. They vulnerability and courage. Cinema transcends world.' What did the festival director say? Frémeau said, "Besides being a global star, undertakes projects that reflect her true with the whole world. It is a joy to hear her Honorary Palme d'Or? The Emmy, Grammy, for the first time. She will be presented with the on May 23. Previously, Peter Jackson, Agnes Streep, Robert De Niro, and Tom Cruise have perform at the Oscars - According to Variety 'In Memoriam' segment during the Oscars 2026 Robert Redford.